सांध्य दैनिक
4PM

थोड़ा सा अभ्यास बहुत सारे उपदेशों से बेहतर है। -महात्मा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 186 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 11 अगस्त, 2023

गुजरात से अहिंसा छूटी, सिर्फ गांधी... 7 | आदिवासियों के सहारे सत्ता पर... 3 | भाजपा सरकार में बेरोजगारी व... 2

अधीर के निलंबन पर संसद में हंगामा

मानसून सत्र का अंतिम दिन, विपक्ष ने उठाया मुद्दा

- पीएम के भाषण पर भी तीखी नोक-झोंक
- खरगे बोले- मणिपुर पर बोलने के लिए धन्यवाद
- सरकार बोली विपक्ष ने नहीं चलने दिया सदन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानसून सत्र के अंतिम दिन संसद में जमक हंगामा हुआ। सत्ता पक्ष की मनमानी पर विपक्ष ने उसको खूब घेरा। जहां लोक सभा में गृहमंत्री ने सीआरपीसी व आईपीसी की धाराओं में संशोधन के बिल पेश किए वहीं राज्य सभा में अधीर रंजन के निलंबन पर मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार को जमकर कोसा, उन्होंने कहा कि मामूली बात पर उनको निलंबित कर दिया। हंगामे के बाद लोक सभा व राज्य सभा स्थगित हो गई। खरगे ने पीएम को सदन में बोलने पर उन्हें धन्यवाद भी बोला।

वहीं इंडिया गठबंधन ने सरकार के खिलाफ मार्च भी निकाला। रास में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने लोस में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी के निलंबन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि चौधरी को मामूली आधार पर निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने सिर्फ नीरव मोदी कहा था। नीरव का मतलब शांत, मौन है। आपने उन्हें इस बात पर निलंबित कर दिया? इससे पहले कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सुबह पार्टी बैठक भी बुलाई।

पीएम के चेहरे से लग रहा था वो हार रहे हैं : प्रमोद

लोकसभा में पीएम मोदी के भाषण और अधीर रंजन चौधरी के निलंबन पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि मैं मोदी जी को मणिपुर के बारे में बोलने के लिए मजबूर करने के लिए कांग्रेस को बधाई देना चाहता हूं। मैंने पीएम मोदी को कई बार बोलते हुए सुना है, लेकिन कल उनके वाक्य और उच्चारण कहीं और जा रहे थे और उनके चेहरे से लग रहा था कि वे हार रहे हैं। वहीं अधीर रंजन चौधरी का निलंबन संसद में तानाशाही और संख्या का दुरुपयोग है। अधीर रंजन चौधरी के निलंबन पर सीपीआई सांसद बिनॉय विश्वाम ने कहा कि संसद में किसी को भी किसी भी वक्त निलंबित किया जा सकता है, वही आज की संसद है। यह संसद में सत्तारूढ़ पीठों की इच्छाओं को एकतरफा थोपने का स्थान बन गया है।

सदन चलता है, पीएम घूमते हैं : नीतीश

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वे केवल प्रचार में विश्वास करते हैं और पार्टी का आम लोगों के लिए कल्याण कार्य करने का कोई इरादा नहीं है। मुख्यमंत्री ने मणिपुर जातीय हिंसा पर बयान नहीं देने के लिए नरेंद्र मोदी की भी आलोचना की। मोदी पर निशाना साधते हुए नीतीश ने कहा कि नई दिल्ली में संसद चल रही थी और पीएम नरेंद्र मोदी संसद में मौजूद नहीं थे। ऐसी बात पहले कभी नहीं हुई होगी। अटल जी के कार्यकाल में जब मैं केंद्र सरकार में था तो सभी लोग सदन के अंदर रहते थे। काम नहीं हो रहा है। उन जगहों पर कोई बयान नहीं जहां घटनाएं हुईं। मोदी पर हमला करते हुए कहा कि सदन (संसद) चल रहा है और आप बाहर घूम रहे हैं। क्या पहले ऐसा होता था? इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि अब चीजों का केवल एक ही पक्ष दिखाया जाता है। दूसरे जो कहते हैं वह सामने नहीं आता।

आईपीसी व सीआरपीसी, एविडेंस एक्ट में होगा बदलाव : अमित शाह

लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज मैं जो तीन विधेयक एक साथ लेकर आया हूं, वे सभी पीएम मोदी के पांच प्रणों में से एक को पूरा करने वाले हैं। इन तीन विधेयक में एक है इंडियन पीनल कोड, एक है क्रिमिनल प्रोसीजर कोड, तीसरा है इंडियन एविडेंस कोड। इंडियन पीनल कोड 1860 की जगह, अब भारतीय न्याय संहिता 2023 होगा। क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 प्रस्थापित होगी और इंडियन एविडेंट एक्ट, 1872 की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम प्रस्थापित होगा। शाह ने कहा कि इन तीनों कानूनों को रिप्लेस कर के इनकी जगह तीन नए कानून जो बनेंगे, उनकी भावना होगी भारतीयों को अधिकार देने की। इन कानूनों का उद्देश्य किसी को दंड देना नहीं होगा। इसका उद्देश्य होगा लोगों को न्याय देना।

विपक्ष ने मणिपुर के बहाने नहीं चलने दी संसद : रिजिजू

केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद किरण रिजिजू ने कहा कि विपक्षी दलों ने पिछले कई दिनों से मणिपुर का बहाना करके संसद को चलने नहीं दिया। कल जब प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर और पूरे पूर्वोत्तर पर बहुत अच्छी तरह से अपनी बात रखी तब विपक्ष ने वॉकआउट किया। पूर्वोत्तर के सभी एनडीए सांसद प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखने जा रहे हैं कि उन्होंने कल मणिपुर और पूर्वोत्तर पर विस्तार से अपनी बात रखी। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने रंजन चौधरी के निलंबन पर कहा कि चौधरी ने कल जो किया वह बहुत गलत था। यह भाजपा या सरकार का अपमान नहीं था। वह संसद का अपमान करने की कोशिश कर रहे थे। इससे सबको सबक मिलेगा कि सदन में कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। वहीं, उन्होंने फ्लाइंग किस विवाद पर कहा कि संसद और देश का अपमान करना कांग्रेस की आदत है।

मोदी सरकार का फैसला सुप्रीम कोर्ट की अवहेलना : जयराम रमेश

- चुनाव आयोग में नियुक्ति प्रक्रिया का कांग्रेस ने किया विरोध
- 2012 में आडवाणी के लिखे पत्र को किया साझा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए तीन सदस्यीय पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को बाहर करने की मांग करने वाले विधेयक की विपक्ष की आलोचना के बीच कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को तत्कालीन भाजपा संसदीय दल का 2012 का एक पत्र साझा किया।

उन्होंने बताया कि तत्कालीन भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी ने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को ऐसी

नियुक्तियों के लिए व्यापक आधार वाले कॉलेजियम का सुझाव दिया था। पत्र में आडवाणी ने मांग की थी कि सीईसी और अन्य सदस्यों की नियुक्ति पांच सदस्यीय पैनल या कॉलेजियम द्वारा की जानी चाहिए, जिसमें प्रधान मंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश, संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के नेता और कानून मंत्री शामिल हों। कांग्रेस के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा लाया गया विधेयक न केवल आडवाणी द्वारा प्रस्तावित प्रस्ताव के खिलाफ है, बल्कि 2 मार्च, 2023 को 5-न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ के फैसले को भी पलट देता है।

मणिपुर हिंसा पर 'सुप्रीम' आदेश पुलिस की भूमिका की होगी जांच

- पुलिस पर अपराधियों के साथ मिलीभगत का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

केंद्र और राज्य सरकार सहयोग दें

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार को इस जांच को पूरा करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने का आदेश दिया है, महाराष्ट्र के पूर्व डीजीपी दत्तात्रेय पडसलगीकर को जांच रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को दिए जाने का आदेश भी दिया गया है। इस आदेश के अनुसार, स्ष्ट ने जांच की धीमी गति की आलोचना की और जांच आयोग को 2 महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है. इस रिपोर्ट के सौंपे जाने के बाद ट्रायल को राज्य से बाहर ट्रांसफर करने पर विचार करेंगे। इससे पहले 7 अगस्त की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केवल मौखिक रूप से आदेश की रूपरेखा दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने विस्तृत आदेश जारी कर दिया है।

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की कॉपी जारी हुई है। मणिपुर के हालात पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई। महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कानून प्रवर्तन प्राधिकरण हिंसा को नियंत्रित करने में विफल रही।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश में कई नई बाते सामने

आई हैं, जिसमें कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर में हिंसा के अपराधियों के साथ पुलिस की मिलीभगत के आरोपों की भी जांच करने का निर्देश दिया है, सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि रैंक,स्थिति, पद की परवाह किए बिना अपराधियों से मिलीभगत करने वाले पुलिसवालों के खिलाफ कार्रवाई हो। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के पूर्व डीजीपी दत्तात्रेय पडसलगीकर को उन आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया है जिसमें कहा गया है कि कुछ पुलिस अधिकारियों ने मणिपुर में संघर्ष के दौरान हिंसा (यौन हिंसा सहित) के अपराधियों के साथ मिलीभगत की थी।

भाजपा सरकार में बेरोजगारी व भ्रष्टाचार चरम पर : अखिलेश

» प्रदेश में जन पंचायतें लगाकर सपा सरकार की गिनाईं उपलब्धियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार प्रदेश की सभी विधानसभाओं में सेक्टर स्तर पर जन पंचायतें आयोजित की गई। इन पंचायतों में सपा ने भाजपा सरकार में बढ़ रही बेरोजगारी, महंगाई व भ्रष्टाचार की पोल आम जनता के सामने खोलने का निर्णय किया है। इस बैठक में यह भी फैसला किया गया कि सपा सरकार के समय किए गए विकास कार्यों को जन-जन तक पुहंचा जाए।

इस बैठक में विधानसभा क्षेत्र के सभी सेक्टरों में रहने वाले बूथ प्रभारी, जोन प्रभारी, ब्लाक पदाधिकारी, विधानसभा पदाधिकारी, जिला, प्रदेश, राष्ट्रीय पदाधिकारी तथा क्षेत्र के प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया। जन पंचायतों में मुख्यमंत्री रहते अखिलेश द्वारा किए गए विकास कार्यों की जानकारी जनता को देने और जनसमस्याओं का ब्यौरा एकत्र करने का भी काम किया गया। बाराबंकी में पूर्व मंत्री व राष्ट्रीय सचिव अरविन्द सिंह गोप ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने आम जनता की समस्याओं की तरफ से आंखे मूंद रखी हैं। लखनऊ की विधानसभाओं मलिहाबाद, बख्शी का तालाब, सरोजनीनगर, कैन्ट पश्चिम और उत्तरी विधानसभा क्षेत्रों में भी पदाधिकारियों ने जनता की समस्याओं को सुना। राजधानी के मोहनलालगंज के प्रत्येक न्याय पंचायत सेक्टर स्तर पर संकल्प पत्र पड़ा गया। सुल्तानपुर के कादीपुर में पूर्व विधायक भगेलूराम ने कहा कि आज अंग्रेजीराज से भी खराब शासन चल रहा है। रायबरेली में अगस्त क्रांति दिवस पर छह विधानसभाओं के 240 सेक्टरों में एक ही दिन में अलग-अलग जन पंचायत आयोजित की गई। शाहजहांपुर में सभी विधानसभाओं में सेक्टर स्तर पर जन पंचायत आयोजित कर शिकायतों एवं जनसमस्याओं को सुना गया। गोण्डा में कर्नलगंज विधानसभा क्षेत्र में 38 सेक्टरों में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सपा सरकार में हुए विकासकार्यों की चर्चा की गई। गोरखपुर, पीलीभीत और अमरोहा जनपद में समाजवादी सरकार की नीतियों को जनता के समक्ष रखा गया।

महिला सशक्तिकरण की प्रतीक फूलन देवी

अखिलेश ने सपा की पूर्व सांसद फूलन देवी की जयंती पर उनका नमन करते हुए कहा कि वह महिला सशक्तिकरण की प्रतीक थीं। आजीवन उन्होंने अन्याय और अत्याचार का प्रतिकार किया था। अखिलेश ने कहा कि फूलन देवी वर्चस्ववादी सोच को चुनौती देने वाली क्रांतिकारी नायिका और नारी अस्मिता की प्रतीक थीं। उन्होंने कहा कि सपा ने फूलन देवी को संसद में भेजकर सामाजिक न्याय किया था। समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ने भी सभी जनपदों में फूलन देवी के चित्र पर माल्यार्पण कर जयंती मनाई। समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजपाल कश्यप ने कहा कि अत्याचार व शोषण के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने वाली फूलन सामाजिक न्याय की योद्धा थीं। उन्होंने कहा कि वह दो बार मिर्जापुर व भदोही से सांसद सदस्य के रूप में लोस के लिए चुनी गईं थीं।

आदिवासियों की पीड़ा क्या जानें राजा-महाराजा : ज्ञान सिंह

» मंच पर भिड़े भाजपा-कांग्रेस नेता, भड़के पूर्व मंत्री प्रियव्रत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले की खिलचीपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह खींची लगातार दूसरी बार भरे मंच से भाजपा के लोगों पर हाजिर जवाब होते हुए नजर आए। इस बार उनके लपेटे भाजपा के जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर आ गए, जिसका वीडियो गुरुवार को वायरल हो रहा है। दरसअल नौ अगस्त को राजगढ़ जिला मुख्यालय में आदिवासियों के द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया। इसके पश्चात स्टेडियम प्रांगण में आमसभा भी आयोजित की गई।

इस दौरान आदिवासी समाज के पदाधिकारी व दोनों दलों के नेता और पदाधिकारी भी उपस्थित हुए। उन्होंने जनसमूह को संबोधित किया। इस दौरान मौजूदा जनसमूह को संबोधित करने के लिए जब भाजपा जिलाध्यक्ष माइक पर आए तो वे भाजपा सरकार की मुख्यमंत्री लाडली बहना और सरकार का गुणगान करने लगे। तभी मंचासीन आदिवासी नेता उठकर उनके पास आए और उन्हें कार्यक्रम में सरकार का गुणगान करने के लिए मना किया, जिसके पश्चात भाजपा जिला अध्यक्ष ने खुद को आदिवासी बताते हुए कांग्रेस के पूर्व मंत्री और विधायक प्रियव्रत सिंह खींची की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि हम आदिवासियों की पीड़ा राजा-महाराजाओं को तो सुननी पड़ेगी।

विपक्ष की कोशिश नहीं होगी कामयाब : दुष्यंत चौटाला

» बोले- जजपा और भाजपा का गठबंधन मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रादौर। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश में जजपा और भाजपा का गठबंधन बेहद मजबूत है, जो आगे भी जारी रहेगा। विपक्षी दल तो सरकार बनने पर कहने लगे थे कि यह गठबंधन तीन महीने तक चलेगा फिर छह महीने कहा गया लेकिन पौने चार साल से प्रदेश में गठबंधन की सरकार मजबूती से चल रही है। विपक्षी दलों ने गठबंधन को तोड़ने की हर संभव कोशिश की लेकिन यह चट्टान की तरह मजबूत है।

दुष्यंत चौटाला गुरुवार को यमुनानगर जिले के रादौर विधानसभा क्षेत्र के जाटनगर में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि टूटी सड़कों की जल्द मरम्मत कराई जाएगी। इसके लिए प्लान तैयार कर लिया गया है, जिसके तहत सभी क्षतिग्रस्त सड़कों पर जल्द टेंडर कर काम लगा दिया जाएगा। वहीं नूंह में दंगा करने वाले लोगों पर सरकार कड़ी कार्रवाई कर रही है। इस मामले में शामिल कुछ लोगों को पुलिस ने राजस्थान से भी गिरफ्तार किया है।

अनुच्छेद-370 पर धमकी दे रही भाजपा

» उमर अब्दुल्ला बोले- नेताओं की टिप्पणी अदालत की अवमानना के समान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र को अनुच्छेद-370 को निरस्त करने पर उच्चतम न्यायालय को धमकी देने के बजाय उसके फैसले का इंतजार करना चाहिए। विचाराधीन मामले पर कुछ भाजपा नेताओं की टिप्पणियां लगभग अदालत की अवमानना के समान हैं। नेकां नेता की यह टिप्पणी केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा लोकसभा में केंद्र सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस में भाग लेते हुए यह कहने के बाद आई है कि अनुच्छेद-370 कभी भी बहाल नहीं किया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि अगर चुनाव होते हैं तो पार्टी उत्सुकता से हिस्सा लेगी। उमर ने कहा कि जिम्मेदार भाजपा नेताओं की ऐसी टिप्पणी सुनकर आश्चर्य होता है। मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के सामने है, अदालत को फैसला लेने दीजिए। वे सुप्रीम कोर्ट को क्यों धमका रहे हैं? हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, उन्हें भी करना चाहिए। क्या उन्हें लगता है कि उनका मामला इतना कमजोर है कि उन्हें धमकी देने की जरूरत महसूस होती है? यह खेदजनक है। यह लगभग अदालत की अवमानना के समान है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल द्वारा दी गई दलीलें मजबूत हैं, लेकिन सरकार ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। हमें देखना होगा कि सरकार का जवाब कितना मजबूत है। मामले को आगे बढ़ने दें, तभी हम चर्चा कर सकते हैं कि किसकी दलीलें बेहतर थीं। एनसी ने कपिल सिब्बल और गोपाल सुब्रमण्यम को पार्टी की दो याचिकाओं का प्रतिनिधित्व करने का निर्णय लिया है।

हर चुनाव में हिस्सा लेगी नेकां

इस साल के अंत में होने वाले पंचायत चुनावों में पार्टी की भागीदारी पर अब्दुल्ला ने कहा कि ऐसी कोई अधिसूचना नहीं देखी है। नेकां हर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि हमने सुना है कि भाजपा नगर पालिका चुनाव कराने के मूड में नहीं है क्योंकि वे डरे हुए हैं, खासकर श्रीनगर से ज्यादा जम्मू में। जिस तरह से कांग्रेस ने जम्मू में ताकत हासिल की है, भाजपा और अधिक घबरा गई होगी। लेकिन, अगर चुनाव की घोषणा की जाती है, तो एनसी इसमें उत्सुकता से भाग लेगी। पार्टी विपक्ष के इंडिया गठबंधन की सदस्य है और संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान करेगी।

पीएम को सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा नहीं : केजरीवाल

» चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़े बिल पर दी प्रतिक्रिया, कांग्रेस भी आई साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र द्वारा संसद में पेश करने के लिए एक और विधेयक को सूचीबद्ध किए जाने के बाद आप और कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया है। जो शीर्ष चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश को पैनल से बाहर कर देगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़े बिल पर टिप्पणी की।

उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को घेरते हुए कहा कि उनका सुप्रीम कोर्ट में विश्वास नहीं है। दिल्ली सेवा बिल के बाद अब एक और बिल आने वाला है। जिसका दावा केजरीवाल ने पहले भी किया था। केजरीवाल ने पीएम पर बिल के जरिए लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। वहीं कांग्रेस ने भी पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है।

भाजपा ने की एलजी से संवैधानिक हितों की सुरक्षा की मांग

दिल्ली। दिल्ली सेवा बिल आने के बाद दिल्ली सरकार ने विधानसभा सत्र बुलाया है। भाजपा ने इसे संवैधानिक हितों के खिलाफ बताया है मामले की शिकायत करने के लिए गुरुवार को भाजपा का प्रतिनिधि मंडल उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मिला। भाजपा के प्रतिनिधि मंडल ने आरोप लगाया कि सत्रों में कार्यवाही संविधान के अनुसार नहीं होती है। विपक्ष की आवाज दबाई जाती है। दरअसल, स्वतंत्रता दिवस के अगले दिन शुरू होने वाले दिल्ली विधानभा सत्र में भाजपा दिल्ली सरकार से कई मुद्दों पर जवाब मांगने की तैयारी में है। भाजपा विधायक दल कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की है। 16 और 17 अगस्त को आयोजित होने वाले इस सत्र में भाजपा दिल्ली के कई मुद्दे पर चर्चा की मांग करेगी। भाजपा ने सरकार पर यह भी आरोप मढ़ा है कि दो दिन का सत्र सारे नियम-कायदों को तोड़कर बुलाया जा रहा है। बावजूद केजरीवाल सरकार की हर समस्या पर विफलता को पार्टी उजागर करेगी।

कठपुतली बनाने का प्रयास : वेणुगोपाल

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने इस कदम को चुनाव आयोग को पूरी तरह से पीएम के हाथों की कठपुतली बनाने का एक जबरदस्त प्रयास बताया है। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त विधेयक गुरुवार को राज्यसभा में चर्चा और पारित होने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। जानकारी के लिए बता दें कि यह घटनाक्रम 2024 के लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले आया है, जहां एनडीए सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने की कोशिश करेगी।

आदिवासियों के सहारे सत्ता पर नजर!

विस चुनाव में वोट बनेंगे सियासी दलों का सहारा

- राजस्थान, मप्र और छत्तीसगढ़ में मुद्दों पर चर्चा शुरू
- भाजपा व कांग्रेस की रणनीति तैयार
- कमलनाथ-राहुल ने मोदी सरकार पर उठाए सावल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे लोकसभा-2024 चुनाव की आहट सुनाई देने लगी है वैसे-वैसे सियासी पार्टियां जाति, धर्म, क्षेत्र, बनवासी से लेकर आदिवासी तक पर मुखर होकर बोलने लगीं हैं। राजनैतिक दलों की मजबूरी है मुद्दों को बिना वह जनता के बीच नहीं जा सकती है। अब यह उन दलों की अपनी रणनीति है वह किस मुद्दे को कितनी हवा देती हैं। वहीं आजकल मध्य प्रदेश में आदिवासियों के हितों पर भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार जारी है। ज्ञात हो कि 23 में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान मे विधान सभा चुनाव होने हैं। इन तीनों राज्यों में आदिवासियों की संख्या अच्छी खासी है। सारे दलों को अब आदिवासियों की वोटों पर नजर है। मध्य प्रदेश में आदिवासियों को लेकर सियासत तेज है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में आदिवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की जमीन आदिवासियों की जमीन है लेकिन बीजेपी और आरएसएस के लोग आदिवासियों की जमीन छीनना चाहते हैं। उन्होंने जल, जंगल और जमीन एक साथ कैसे बर्ताव करना है उसका उदाहरण देते हुए आदिवासियों से सीखने की लोगो की अपील की।

विश्व आदिवसी दिवस पर पीसीसी चीफ कमलनाथ ने कहा कि आदिवासी समाज हमारे प्रदेश के मूल निवासी है, जल, जंगल, जमीन का असली हकदार यही समाज है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को विदेशी बताना आदिवासियों को अपमान है। प्रदेश में आदिवासी वर्ग पर अत्याचार में नंबर वन पर है। उन्होंने कहा कि मैं वचन देता हूं कि कांग्रेस की सरकार बनने पर आदिवासी समाज सबसे सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश का चित्र हमारे सामने है। भाजपा क्या कहेगी आज, भारत छोड़ो आंदोलन दिवस पूरा भारत मना रहा है, पर भाजपा छोड़ो दिवस भी मना रहा है। प्रदेश को कहां घसीटा जा रहा है।

आदिवासी समाज और कांग्रेस पार्टी एक परिवार : कमलनाथ

पूर्व सीएम कमलनाथ ने इससे पहले आदिवासियों के नाम एक संदेश भी जारी किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आदिवासियों को हक दिलाने का काम किया। 15 महीने की सरकार में कांग्रेस पार्टी ने आदिवासियों के हित में हर काम किया है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि पेसा कानून कांग्रेस ने बनाया, वन अधिकारों का कानून भी कांग्रेस की देन है। आदिवासी समाज और कांग्रेस पार्टी एक परिवार है। उन्होंने कहा कि भाजपा से आग्रह है कि कम-से-कम वनों की नैसर्गिकता को तो दूषित व संक्रमित न करें और वनों के वातावरण को स्वस्थ और स्वच्छ रहने दें। वन से संबंधित लोगों के लिए चरण पादुका किसी सरकारी योजना के अहसान का नाम नहीं बल्कि कृतज्ञता भरे मन का सच्चा भाव होना चाहिए! वन की बात नाम से भी एक कार्यक्रम होना चाहिए। कमलनाथ ने कहा कि शिवराज सिंह तो बाज नहीं आएंगे रोज नई-नई घोषणां करेंगे। आज उन्हें बहनों की याद आ गई, कर्मचारियों की याद आ गई। आखरी पांच महीने में सब याद आ गया है। सोचते हैं जो बचा है, सब समेट लो। जब तक झूठ नहीं बोलेंगे उनका खाना हजम नहीं होगा। लेकिन जनता अब शिवराज और भाजपा को विदा करने के लिए तैयार बैठी है। ये चुनाव बहुत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक चुनाव है। यह आने वाली पी?ी के भविष्य का चुनाव है। यह मप्र के भविष्य का चुनाव है। प्रदेश को किस पटरी पर ले जाना चाहते है। प्रदेश का कैसा भविष्य चाहते हैं, आने वाली पीढ़ी का कैसा भविष्य चाहते हैं? आज नौजवानों का भविष्य अंधकार में है और यदि उनका ही भविष्य अंधकार में रहेगा मो प्रदेश का भविष्य कैसे सुरक्षित रहेगा। वहीं सिवनी की बरघाट विधानसभा से कांग्रेस विधायक अर्जुन सिंह ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत आदिवासियो का देश है और वह भारत देश को हिंदू राष्ट्र नहीं बनने देंगे। विधायक के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फिलहाल विधायक के इस बयान को आगमी विधानसभा चुनाव में आदिवासी समाज को साधने के लिहाज से दिए गए राजनैतिक बयान के रूप में देखा जा रहा है। विधायक के बयान पर फिलहाल किसी की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कांग्रेस ने आदिवासी भाईयों के हितों के लिए हमेशा कार्य किए। लेकिन आज भाजपा सरकार में लूट खसोट की राजनीति चल रही है।

मप्र में आदिवासी भय व आतंक के साये में : भूरिया

पूर्व मंत्री और आदिवासी नेता कांतिलाल भूरिया ने कहा कि आज आदिवासी वर्ग पर भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा अत्याचार हो रहे हैं, आदिवासी ऐसा कोई जिला नहीं बचा होगा, जहां दबंगों द्वारा उन पर बर्बरता और शर्मनाक कृत्य न किए गए हों। नेमावर, सीधी, खंडवा, खरगोन, विदिशा नीमच, गुना, सिवनी और इंदौर में आदिवासियों के साथ की गई क्रूरता से प्रदेश का आदिवासी भय और आतंक के साये में जी रहा है।

सिर्फ बाते करती है कांग्रेस : भाजपा

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के लिए चंद महीनों का समय बचा है। जिसको लेकर बीजेपी और कांग्रेस पुरजोर तरीके से तैयारियां करने में जुटी है। इस बीच राहुल गांधी के मानगढ़ धाम दौरे को लेकर बीजेपी ने राजनीतिक कटाक्ष किया है। भाजपा के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि राहुल गांधी ने आदिवासियों को अपने बचपन की कहानी सुनाई और चले गए। राहुल गांधी ने अपनी मोहब्बत की दुकान में भीलवाड़ा दुष्कर्म हत्याकांड की बात क्यों नहीं की। उन्होंने वागड़ और मेवाड़ की जनता का अपमान किया है, उस क्षेत्र में विकास कार्य का लेखा जोखा भी राहुल गांधी को बताना चाहिए था। जिसको लेकर वह चुप रहें, इसके लिए कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी के मानगढ़ धाम में दिए गए वक्तव्य पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने भाषण में जनजाति की समस्या, उनके विकास और भविष्य की योजनाओं को लेकर कोई बात नहीं की है। सिर्फ अपनी बचपन की कहानियां सुनाई। साथ ही संघ और भाजपा को कोसा। इनकी मोहब्बत की दुकान में कोटड़ी, भीलवाड़ा के दुष्कर्म और हत्या की बात क्यों नहीं थी। राहुल गांधी ने प्रदेश के आदिवासी, किसान, युवा, महिला, दलित इनमें से किसी की भी समस्या और समाधान पर कोई चर्चा नहीं की। उन्हें मणिपुर को लेकर इतनी चिंता है, लेकिन प्रदेश के महिला दुष्कर्म, किसानों से किए कर्ज मुक्ति के झूठे वादे, किसानों की आत्महत्या, युवाओं के साथ बेरोजगारी भत्ता और रोजगार देने के नाम पर हुआ धोखा, पेपर लीक माफिया, दलितों पर बढ़ते अत्याचार संबंधी मामलों पर कोई बात क्यों नहीं की। जबकि प्रदेश अपराध की आग में जल रहा है। उनका यहां आना टाइम पास के अलावा कुछ नहीं है। कांग्रेस ने इस क्षेत्र में क्या विकास कार्य किए है, इसका लेखा-जोखा भी उन्हें यहां रखना चाहिए था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि मानगढ़ धाम और वागड़ क्षेत्र के लिए जो विकास कार्य कांग्रेस 60 वर्षो में नहीं कर पाई, उस कार्य को मोदी सरकार ने पिछले नौ वर्षो में ही कर दिखाया। सीपी जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज मानगढ़ धाम में विकास की घोषणाएं गिना रहे हैं, हालांकि यह भी सिर्फ पिछली घोषणाओं की तरह खोखली घोषणा बनकर ही रह जाएगी। 60 वर्षो के शासन में कांग्रेस ने आदिवासियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया। प्रदेश में वागड़ क्षेत्र के विकास की शुरुआत भाजपा सरकार के समय हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के मंत्री गांधी परिवार की चाटुकारिता करते है। और वे इतनी बेशर्मी पर उतर आए कि वागड़ और मेवाड़ की जनता को गांधी परिवार के चरणों में बता रहे हैं। वागड़ और मेवाड़ की जनता कभी किसी के चरणों में नहीं रह सकती हैं। यहां के रहवासियों ने अपने स्वाभिमान के लिए मुगल और अंग्रेजों का डटकर सामना किया। इस अपमान के लिए कांग्रेस के मंत्री को माफी मांगनी चाहिए।

बनवासी बताकर आदिवासियों को भगा रही है बीजेपी : राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में भी बीजेपी और आरएसएस को कटघरे में खड़ा किया। बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम में आदिवासियों को संबोधित राहुल गांधी ने कहा कि भारत की जमीन आदिवासियों की जमीन है। देश की इस जमीन पर पहला हक आदिवासियों का है लेकिन बीजेपी और आरएसएस के लोग आदिवासियों की जमीन छीनना चाहते हैं। कांग्रेस ने आदिवासियों को उनका हक देने के लिए कई कानून बनाए लेकिन बीजेपी ने उन्हें रद्द कर दिए। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने उन्हें बताया कि हिन्दुस्तान के पहले निवासी आदिवासी थे। यह जो हमारी जमीन है जिसे हम भारत कहते हैं। यह जमीन आदिवासियों की जमीन थी। आज जो मॉर्डन समाज है उन्हें आदिवासियों से सीखना जिन्दगी जीना सीखना चाहिए। जल, जंगल और जमीन के साथ कैसा बर्ताव करना है। यह हमें आदिवासियों से सीखना चाहिए। राहुल गांधी ने बीजेपी की ओर इशारा करते हुए कहा कि ये लोग आदिवासियों को वनवासी कहते हैं। यानी जंगल में रहने वाले लोग। राहुल गांधी ने कहा कि एक तरफ तो आदिवासियों को जंगल की ओर धकेला जा रहा है और दूसरी तरफ जंगलों को काट काट कर खत्म किया जा रहा है।

आने वाले दिनों में पूरे जंगल खत्म कर दिए जाएंगे और आदिवासियों की पूरी जमीनें छीन ली जाएगी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि आदिवासियों की जमीनें छीन कर अडाणी को दी जा रही है। आदिवासी समाज को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि आदिवासियों को उनका हक मिले। आदिवासियों के बच्चे भी कॉलेज और युनिवर्सिटी में जाकर पढाई करें। कम्प्युटर चलाएं, बिजनैस करें और तेजी से आगे बढें। आप जो सपना अपने बच्चों के लिए देख रहे हैं, वे सपने पूरे होने चाहिए लेकिन बीजेपी को लोग चाहते हैं कि आप जंगल में ही रहो। वनवासी बताकर जंगल में धकेला जा रहा है। वे चाहते हैं कि आप वहीं रहो। यह केवल आपका अपमान नहीं बल्कि पूरे देश का अपमान है। राहुल गांधी ने सीधा आरोप लगाया कि मणिपुर में जो आग लगी हुई है। उसकी जिम्मेदार बीजेपी है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में भारत माता की हत्या हुई है और बीजेपी की विचारधारा ने मणिपुर में भारत माता की हत्या की है। लोग मारे जा रहे हैं। बच्चे मारे जा रहे हैं। महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहा है। राहुल गांधी ने पूछा कि क्या मणिपुर भारत का हिस्सा नहीं है। जब विपक्ष के सदस्य वहां जा सकते हैं तो प्रधानमंत्री क्यों नहीं जा सकते।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

केरल उच्च न्यायालय का उम्दा फैसला

केरल उच्च न्यायालय का एक अहम फैसला आया है जिसका स्वागत ट्रांसजेंडर समुदाय ने किया है। अदालत ने अस्पष्ट जननांग वाले सात वर्षीय 'इंटरसेक्स' बच्चे के माता-पिता द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने बच्चे को एक लड़की के रूप में पालने के लिए सर्जरी की अनुमति मांगी थी। केरल में ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों ने को मध्य लिंगी (इंटरसेक्स) बच्चों की सहमति के बिना उनकी लिंग निर्धारण सर्जरी पर उच्च न्यायालय के हालिया फैसले की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रक्रियाएं हमेशा ''सही और सफल'' नहीं हो सकती हैं। 'इंटरसेक्स' या मध्य लिंगी उस व्यक्ति को कहते हैं जिसका शारीरिक, हार्मोन या लिंग न तो पूरी तरह पुरुष का होता है और न महिला का। बहुत से लोगों ने उच्च न्यायालय के फैसले का खुले दिल से समर्थन किया और कहा कि एक बच्चे की इस प्रकार की सर्जरी उसके जीवन और गरिमा का हनन है। सामान्य रूप से समाज में और विशेष रूप से चिकित्सा क्षेत्र में इंटरसेक्स व्यक्तियों के बारे में जागरूकता की कमी है।

जब इंटरसेक्स बच्चे पैदा होते हैं, तो कई चिकित्सा पेशेवर माता-पिता को उनके लिंग निर्धारण के लिए उपचारात्मक सर्जरी कराने का सुझाव देते हैं। लेकिन, ऐसी प्रक्रियाएं और बच्चे के लिए उनके माता पिता द्वारा किया गया लैंगिक चयन हमेशा सही और सफल नहीं हो सकता है।'' लेकिन, त्रासदी यह है कि जब बच्चा बालिग हो जाता है, तो उसमें अपने लिंग के अलावा दूसरे लिंग के प्रति रुझान विकसित हो सकता है।'' परिवार और चिकित्सा पेशेवर मान सकते हैं कि सर्जरी के माध्यम से मध्य लिंगी बच्चे की मनमाफिक लैंगिक पहचान तय की जा सकती है, लेकिन यह सभी मामलों में काम नहीं करता। अदालत ने बच्चे के स्वास्थ्य को लेकर माता-पिता की चिंताओं पर विचार करते हुए कहा कि ''विधिवत रूप से गठित मेडिकल बोर्ड'' की सिफारिश के आधार पर आवश्यक हस्तक्षेप किया जा सकता है। इसके बाद अदालत ने सरकार को विशेषज्ञों से युक्त एक राज्य स्तरीय बहुविषयक समिति गठित करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय का फैसला हर तरह से एक ऐतिहासिक फैसला है। राज्य में पनप रहे अवैध लिंग रूपांतरण और हार्मोन थेरेपी केंद्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के इलाज के लिए एक ठोस प्रोटोकॉल और स्पष्ट दिशानिर्देशों की आवश्यकता की भी मांग की। ऐसा फैसले अन्य राज्यों के लिए भी लाभदायक हो सकते हैं।

"

'इंटरसेक्स' या मध्य लिंगी उस व्यक्ति को कहते हैं जिसका शारीरिक, हार्मोन या लिंग न तो पूरी तरह पुरुष का होता है और न महिला का। बहुत से लोगों ने उच्च न्यायालय के फैसले का खुले दिल से समर्थन किया और कहा कि एक बच्चे की इस प्रकार की सर्जरी उसके जीवन और गरिमा का हनन है। सामान्य रूप से समाज में और विशेष रूप से चिकित्सा क्षेत्र में इंटरसेक्स व्यक्तियों के बारे में जागरूकता की कमी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

साम्प्रदायिक राजनीति का परिणाम है हिंसा

विश्वनाथ सचदेव

हरियाणा के नूंह जिले में अब स्थिति सामान्य हो रही है। प्रशासन सामान्य का क्या अर्थ लगाता है यह वही जाने, पर नूंह में हुई 'साम्प्रदायिक हिंसा' जहां एक तरफ कुछ हैरान करने वाली थी, वहीं यह चिंता की बात भी है कि सांप्रदायिकता के तनाव से ग्रस्त इलाकों में हरियाणा का यह अपेक्षाकृत शांत क्षेत्र भी शामिल हो गया है। हरियाणा और पड़ोसी राजस्थान में फैला यह मेवात क्षेत्र है तो मुस्लिम बहुल पर हकीकत यह भी है कि यह क्षेत्र कुल मिलाकर हिंदू-मुसलमान की राजनीति से बचा हुआ था। इस स्थिति का एक कारण शायद यह भी है कि मेवात के मुसलमान धर्मांतरण किए हुए हैं। आज भी इन मुस्लिम परिवारों में नकुल, सहदेव, अर्जुन जैसे नाम मिल जाते हैं।

यह तो जांच के परिणामों से ही पता चल पायेगा कि ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा के दौरान हिंसा कैसे हुई और कौन इसके लिए जिम्मेदार है, पर यह बात तो आसानी से समझ आ जाती है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में हिंसा की ऐसी अन्य घटनाओं की तरह ही यह भी सांप्रदायिकता की राजनीति का ही एक परिणाम है। पिछले डेढ़-दो सौ सालों का इतिहास रहा है देश में सांप्रदायिक हिंसा का। पहले अंग्रेजों ने 'फूट डालो और राज करो' की नीति के अनुसार काम करते हुए सांप्रदायिकता की आग को हवा दी थी जिसके परिणामस्वरूप देश का विभाजन हुआ और आज़ादी मिलने के बाद से ही सांप्रदायिकता अलग-अलग वर्गों के राजनीतिक स्वार्थों को साधने का एक माध्यम बन गयी। क्या यह मात्र एक संयोग है कि आज देश के उत्तर-पूर्वी इलाके मणिपुर में भी एक तरह से सांप्रदायिकता की आग सुलग रही है और हरियाणा का मेवात जैसा शांत क्षेत्र भी सांप्रदायिकता का शिकार बनाया जा रहा है? मणिपुर की हिंसा का एक पक्ष यह भी है कि वहां मैदानी इलाकों में रहने वाले बहुसंख्यक हिंदू हैं और पहाड़ी इलाकों में ईसाई बसते हैं। निश्चित रूप से यह एकमात्र कारण नहीं हो सकता मणिपुर में हिंसा का, पर यह बात विचारणीय तो है कि सांप्रदायिकता हमारी राजनीति का हथियार क्यों बनती रहती है?

इस प्रश्न को यूं उठाना बेहतर होगा कि सांप्रदायिकता को हम क्यों पनपने देते हैं? देश का बहुमत निश्चित रूप से सांप्रदायिकता में विश्वास नहीं करता, पर शायद यह बात भी बेबुनियाद नहीं है कि सांप्रदायिकता हमारी राजनीति का हथियार बनायी जा रही है और सर्व धर्म समभाव में विश्वास करने वाला

बहुसंख्यक भारतीय समाज सांप्रदायिक ताकतों के हाथों छला जा रहा है। आज़ादी के बाद जब हमारे नेताओं ने देश का संविधान बनाया तो इस बात को बार-बार रेखांकित किया गया कि हमारा भारत गंगा- जमुनी संस्कृति में विश्वास करता है। जिस समता की बात हमारे संविधान के आमुख में की गयी है, उसमें धर्म के आधार पर किसी भी नागरिक के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न होने की बात अंतर्निहित है। यह सही है कि देश की अस्सी प्रतिशत आबादी हिंदू है, लेकिन हमारे संविधान निर्माताओं ने इस बात का पूरा ध्यान रखा था कि शेष बीस प्रतिशत मुसलमान, सिख, जैन, बौद्ध आदि किसी भी दृष्टि से स्वयं को कमतर समझे जाने के लिए बाध्य न किये जाएं। इस सबके बावजूद यह एक परेशान करने वाली दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई है कि आज राजनीतिक स्वार्थों के लिए अथवा अपनी नासमझी के चलते कुछ तत्व जाने-अनजाने भारतीय समाज को हिंदू-मुसलमान में बांटने लगे हैं। पीड़ा तो तब और बढ़ जाती है जब विभाजनकारी बात कहने वाला या समझने वाला हमारी संसद में सम्मानित स्थान पाता है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण सच्चाई है। सांप्रदायिकता की आग बुझनी ही चाहिए। हमारी एक सच्चाई यह भी है कि कभी हिंदू माताएं अपने बच्चों को आशीर्वाद दिलाने को ताजिए के जुलूसों में ले जाया करती थीं और आज भी मुंबई के गणेशोत्सव के अवसर पर मुसलमान युवक गणेशभक्तों को वड़ा-पाव खिलाते हैं, शरबत पिलाते हैं। बहुत छोटी लगती हैं यह बातें, पर बहुत बड़ा महत्व है इनका। चाहे किसी भी धर्म को मानने वाला हो, देश का हर नागरिक पहले भारतीय है। मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा कहीं भी जाएं हम, यह बात नहीं भुलायी जानी चाहिए कि ईश्वर ने हर व्यक्ति को इंसान बनाकर भेजा था, उसको हिंदू-मुसलमान तो हमने बना दिया। आज इस बात को समझने की ज़रूरत है।

समझना होगा हमें कि धर्म के नाम पर बांटने वाले तत्व हमारे हित के लिए नहीं, अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए हम में फूट डालते हैं। यह एक षड्यंत्र है। हमारे मनुष्य बने रहने की शर्त का तकाज़ा है कि हम ऐसे किसी भी षड्यंत्र को सफल न होने दें। हरियाणा की हाल की सांप्रदायिक हिंसा के दौरान भी ऐसे षड्यंत्र को सफल बनाने की कोशिशें हमने देखी हैं।

घरेलू बाजार में महंगाई नियंत्रण की कवायद

नंदकिशोर सोमानी

भारत सरकार द्वारा गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद वैश्विक खाद्यान्न संकट और अधिक गहरा गया है। रूस के काला सागर अनाज समझौते से बाहर निकल जाने के कारण दुनिया के बाजार पहले से ही खाद्यान्न संकट से जूझ रहे थे। अब भारत सरकार के इस फैसले ने बाजार की नींद उड़ा दी है। प्रतिबंध की खबर आते ही वैश्विक बाजारों में हलचल बढ़ गई। जनता से लेकर व्यापारियों तक ने चावल का भंडारण करना शुरू कर दिया है। अमेरिका के सुपर मार्केट्स में चावल की कीमतें आसमान पर पहुंच गई हैं। दुकानों के बाहर ग्राहकों की लंबी कतारें दिख रही हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि जो माल रास्ते में है, उसकी कीमत भी 50-100 डॉलर प्रति टन तक बढ़ गई है। पूरे घटनाक्रम पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने आक्रामक रुख दिखाया है और कहा है कि भारत को प्रतिबंध हटा लेना चाहिए अन्यथा जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार रहना चाहिए।

दरअसल, पिछले कुछ समय से देश के भीतर खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। चावल की घरेलू कीमतों में साल भर में करीब 11.5 फीसदी का इजाफा हुआ है। विपक्ष महंगाई के नाम पर सरकार को कठघरे में खड़े कर रहा है। टमाटर की कीमतों को लेकर लोग सरकार से सवाल कर रहे हैं। अगले कुछ महीनों में राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में सरकार को अंदेशा था कि अनाज की बढ़ती हुई कीमतें चुनाव में बड़ा मुद्दा बन सकती हैं। इसलिए सरकार ने घरेलू बाजार में गैर-बासमती चावल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और कीमतों पर लगाम लगाने के लिए तत्काल प्रभाव से चावल के निर्यात पर रोक लगाने का फैसला किया। हालांकि, इससे पहले सरकार ने पिछले साल अगस्त में गैर-बासमती चावल के निर्यात पर 20 फीसदी का निर्यात शुल्क लगा कर देश में चावल की उपलब्धता बढ़ाने की कोशिश की थी। लेकिन स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन न देखकर अब इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

हालांकि, सरकार के इस निर्णय को सियासी लाभ की दृष्टि से उठाया हुआ कदम कहा जा रहा है। लेकिन अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चावल की बढ़ती कीमतों के लिए अकेले भारत को ही जिम्मेदार ठहरना सही नहीं है। दरअसल, दुनियाभर में निर्यात होने वाले चावल की 90 फीसदी फसल एशिया में पैदा होती है। पिछले कुछ समय से अल-नीनो और मौसम में बदलाव की वजह से चावल उत्पादन में कमी आने की आशंका व्यक्त की जा रही थी। उत्पादन से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण बड़े अनाज व्यापारियों ने चावल का स्टॉक करना शुरू कर दिया। परिणाम स्वरूप कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि हो गई। द्वितीय, रूस के काला सागर अनाज समझौते से बाहर निकलने के निर्णय के चलते खाद्यान्न की कीमतें बढ़ी। अब भारत सरकार के इस फैसले के बाद उसमें और तेजी आ गई। तृतीय, चावल निर्यात करने वाले देशों की सूची में भारत के बाद क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर थाईलैंड और वियतनाम आते हैं। चावल निर्यात के मामले में दोनों देशों को भारत का प्रतिस्पर्धी कहा जाता है। जुलाई अंत में भारत ने जैसे ही चावल निर्यात पर रोक का ऐलान किया वैसे ही इन दोनों देशों ने निर्यात पर 10 फीसदी कीमतें बढ़ा दी। नतीजतन अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चावल महंगा हो गया। चावल की कीमतें बढ़ने की बड़ी वजह न्यूनतम समर्थन मूल्य में हुए इजाफे को कहा जा रहा है।

भारत पिछले कुछ वर्षों से दुनिया का शीर्ष चावल निर्यातक देश बना हुआ है। विश्व के कुल चावल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 40 फीसदी है। करीब 140 देश भारत से गैर बासमती चावल खरीदते हैं। साल 2022 में भारत ने रिकॉर्ड 22.2 मिलियन टन चावल का निर्यात किया था। देश से गैर-बासमती चावल का कुल निर्यात 2022-23 में 4.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर का था। जो इससे पहले वित्त वर्ष 2021-22 में 3.3 मिलियन डॉलर का था। मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल-जून) में 15.54 लाख टन गैर बासमती चावल का निर्यात किया गया है, जो पिछले साल के मुकाबले 35 फीसदी ज्यादा है। दरअसल, दुनिया के चार सबसे बड़े निर्यातक देश थाईलैंड, वियतनाम, पाकिस्तान और अमेरिका चावल का जितना निर्यात करते हैं, भारत अकेला उनसे अधिक निर्यात करता है।

ऐसे में भारत द्वारा चावल निर्यात पर रोक लगाए जाने के फैसले बाद वैश्विक आपूर्ति में करीब एक करोड़ टन की कमी आ सकती है। थाईलैंड और वियतनाम की स्थिति ऐसी नहीं है कि इस बड़ी कमी को पूरा कर सकें। यही वजह है कि खाद्यान्न संकट से जूझ रहे देशों के माथे पर चिंता की लकीरें उभरने लगी हैं। खासतौर से उन छोटे अफ्रीकी देशों के जो भारत से आने वाले अनाज पर निर्भर करते हैं। हालांकि, देश के भीतर भी सरकार के इस फैसले को बहुत अच्छा नहीं माना जा रहा है। अनुमान है कि प्रतिबंध के इस फैसले से भारत को कई मोर्चों पर नुकसान उठाना पड़ सकता है। थाईलैंड और वियतनाम की तर्ज पर भारत को भी निर्यात मूल्य में वृद्धि कर बढ़ी हुई कीमतों का फायदा उठाना चाहिए था। दूसरा, इस कदम से देश के किसानों को निराशा होगी। निर्यात पर प्रतिबंध के फैसले के कारण देश के किसान उस लाभ से वंचित रह जाएंगे जो अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बढ़ी हुई कीमतों के चलते उन्हें मिल सकता था। इससे किसान धान की खेती से मुंह फेरने लगेंगे। तृतीय, सबसे अहम बात यह है कि सरकार के इस फैसले से वैश्विक बाजार में भारत की विश्वसनीय व्यापारिक साझेदार की छवि पर बट्टा लग सकता है।

आंखों में लालिमा और दर्द का मतलब आई फ्लू ही नहीं होता

राजधानी दिल्ली में तेजी से आई फ्लू (जिसे कंजंक्टिवाइटिस के नाम से भी जाना जाता है) के मामले बढ़ते जा रहे हैं। आंखों में संक्रमण की ये समस्या दर्दकारक हो सकती है जिसके कारण आपको कई प्रकार की असहजताओं का भी सामना करना पड़ सकता है। राजधानी दिल्ली में पिछले दिनों जिस प्रकार से तेज बारिश और इसके कारण बाढ़ की समस्या देखी गई है, उससे कई तरह की संक्रामक बीमारियों का जोखिम काफी बढ़ गया है, आई फ्लू भी इसी तरह की दिक्कत है। आई फ्लू के वैसे तो कई कारण हो सकते हैं, जिनमें वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण, एलर्जी या कुछ पर्यावरणीय एजेंटों के संपर्क में आना शामिल है। कंजंक्टिवाइटिस की इस स्थिति में आंखों में लालिमा, दर्द, जलन, चुभन होना सबसे सामान्य लक्षण है, पर क्या आप जानते हैं कि हर बार आंखों में लालिमा का मतलब कंजंक्टिवाइटिस ही नहीं होता है। कुछ और भी समस्याओं के कारण आपको आंखों में कंजंक्टिवाइटिस से मिलते-जुलते लक्षणों का अनुभव हो सकता है, जिसपर गंभीरता से ध्यान दिया जाना आवश्यक होता है।

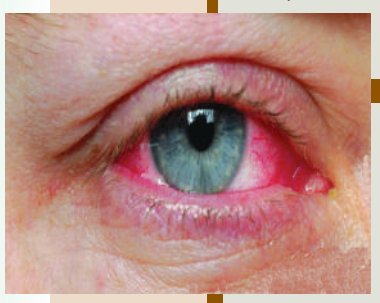

ड्राई आइज भी एक कारण

क्या आपको कुछ समय से आंखों में जलन, खुजली या किरकिरापन महसूस होता है? यह ड्राई आइज की समस्या के कारण भी हो सकता है। आंखों में सूखापन की समस्या काफी सामान्य है और मोबाइल-टैपटॉप के अधिक इस्तेमाल करने वाले लोगों में देखी जा रही है। ड्राई आइज की समस्या में आंखों में आंसुओं का उत्पादन कम हो जाता है जिसके कारण आपको जलन, चुभन और लालिमा की समस्या हो सकती है।

क्या है कंजंक्टिवाइटिस

कंजंक्टिवाइटिस को आई फ्लू या पिंक आइज की समस्या के तौर पर भी जाना जाता है। इसमें आंखों की कंजंक्टिवा में सूजन आ जाती है। इसे कुछ प्रकार के संक्रमण, एलर्जी के कारण होने वाली दिक्कत के रूप में जाना जाता है। वर्तमान में बढ़ रहे आई फ्लू के मामलों के बारे में अमर उजाला से बातचीत में ग्रेटर नोएडा स्थित अस्पताल में इंटरनल मेडिसिन के डॉक्टर श्रेय श्रीवास्तव बताते हैं, बाढ़ की स्थिति ने इस संक्रमण के खतरे को बढ़ा दिया है। सभी लोगों को इससे बचाव के उपाय करते रहना चाहिए।

संक्रमण की समस्या

पिंक आइज के अलावा कुछ और प्रकार के संक्रमण की स्थिति में भी आपको आंखों में लालिमा, दर्द और चुभन का एहसास हो सकता है। दर्द, प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता और धुंधली दृष्टि कभी-कभी गंभीर संक्रमण के संकेत होते हैं। अनुपचारित संक्रमण आपकी आंख की सतह के लिए समस्याओं का कारण बन सकती है, इससे आपकी आंखों को स्थायी रूप से नुकसान भी पहुंच सकता है। आंखों में किसी भी प्रकार के संक्रमण पर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता होती है।

रक्त वाहिकाओं से संबंधित समस्याएं

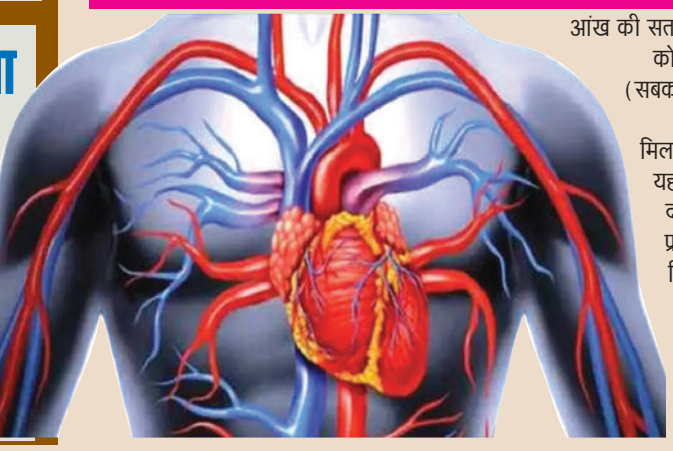

आंख की सतह पर मौजूद रक्त वाहिकाएं में कोई दिक्कत या इसके ब्रेक होने (सबकंजंक्टिवल हेमरेज) के कारण भी आपमें कंजंक्टिवाइटिस से मिलते-जुलते लक्षण हो सकते हैं। यह समस्या वैसे तो आमतौर पर दर्द रहित होती है और दृष्टि को प्रभावित नहीं करती हैं। आपके सिर या आंख पर चोट या रक्त को पतला करने वाली दवाओं के कारण इस तरह की समस्या हो सकती है। पहली नजर में इसके लक्षण आई फ्लू जैसे ही दिख सकते हैं।

हंसना मना है

1 सेठ सेठानी में बहस हो गई कि उनके 1 मात्र लड़के के लिये गांव की बहू लाएं या शहर की! सेठानी-गांव की लाएंगे.. क्योंकि वह घर का काम करेगी! सेठजी-वे गंवार होती हैं.. उन्हे शहर के तौर-तरीके नही आते हैं! आखिर सेठानी कि जिद पर 1 गांव पहुंचे.. सेठजी-बेटी जरा मैंगो शेक ले आओ.. ! लड़की रसोईघर में गई.. 4 आम लिये.. तवे पर सेका.. मसाला डाला और प्लेट में मैंगो सेक कर ले आई..! सेठ सेठानी इस मैंगो शेक को देखते ही रह गए.. अब सेठजी के कहने पर शहर में लड़की देखने गये.. ! सेठानी -बेटी जरा पापड़ सेक लाओ.. ! लड़की किचन में गई.. 4 पापड़ लिए.. मिक्सर में डाले.. पानी मिलाया और गिलास में भर कर ले आई.. और बोली-लीजिये पापड शेक! छोरा अभी भी कुंवारा ही है.. कोई नजर में हो तो बताना?

मस्त जिंदगी किसे कहते हैं? खाने को रोज़ थाली हो दो टाइम की कामवाली हो, पड़ोसन नखरे वाली हो, सुन्दर सी 1 साली हो और घरवाली का दिमाग खाली हो?

प्लम्बर-सर, नल ठीक हो गया, लेबर चार्ज 800 रुपैये..इंजीनियर- अरे, 1 घंटे की इतनी फीस तो मेरी भी नहीं है! प्लम्बर- सर, जब मैं इंजीनियर था तो मेरी भी नहीं थी!

कहानी | जिंदगी में प्राथमिकता सेट करें

एक बार फिलोसॉफी की क्लास में एक प्रोफेसर प्रवेश करते हैं। उनके साथ में एक कांच का जार, कुछ पत्थर, कंकड़ और कुछ बालू भी थी। प्रोफेसर के प्रवेश करते ही सभी ने अभिवादन किया। प्रोफेसर ने बताया की आज क्लास में अन्य क्लास की अपेक्षा कुछ खास सीखने को मिलेगा। विद्यार्थी खुश एवं एक्ससिटेड थे, आज कुछ सीखने को मिलेगा। प्रोफेसर अब खाली जार में पत्थरों को भरना शुरू किया, जब तक जार भर नही गया। जार भरने पर प्रोफेसर ने विद्यार्थियों से पूछा- क्या जार भर गया? सभी ने हां में उत्तर दिया। अब प्रोफेसर ने कंकडों को जार में डालना शुरू किया, साथ ही साथ जार को हिलाया भी, जिससे पत्थरों के बीच में कंकड़ अपना रास्ता आसानी से बना पाए। जब जार भर गया तो दोबारा प्रोफेसर ने विद्यार्थियों से पूछा- क्या अब जार पूरा भर गया? इस पर दोबारा विधार्थियो ने हां में जवाब दिया। अब प्रोफेसर ने उसमें बालू के कण डालने आरम्भ किये, बालू के कण अपना रास्ता बनाते हुए उस जार में प्रवेश कर गये। प्रोफेसर के दोबारा पूछने पर विद्यार्थियों में कहा अब जार पूर्ण रूप से भर गया है। ऐसा सुनकर प्रोफेसर ने पानी लेकर उस जार में उड़ेल दिया। वह भी उसमें समा गया। प्रोफेसर ने विद्यार्थियों को समझाते हुए बताया, कि आपको अपने जीवन में प्राथमिकता को सेट करना होगा। जिंदगी भी एक कांच के जार की तरह है, जिसमें सबसे जरूरी पत्थर है, क्योंकि पत्थर से अभिप्राय आपके परिवार, चरित्र और स्वास्थ्य है, जबकि कंकड़ आपकी नौकरी एवं अन्य आवश्यकता है तथा बालू हमारे जीवन की छोटी-छोटी जरूरतों का प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए यदि हम अपने जीवन रूपी जार में पहले बालू भर देंगे तो बाकी चीजों के लिए जगह नहीं बचेगी। इसलिए आपके जीवन में जो सबसे ज्यादा जरूरी है, उसे ज्यादा महत्व और समय दें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

मिथुन

व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

कर्क

कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी।

सिंह

तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कन्या

यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृश्चिक

कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

धनु

किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मकर

परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है।

मीन

किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

दिव्या खोसला की फिल्म यारियां 2 का जारी हुआ फर्स्ट लुक

बॉलीवुड इंडस्ट्री में इन दिनों सीक्वल फिल्मों का ट्रेंड चल रहा है। गदर 2, ओएमजी 2 के बाद अब यारियां 2 सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। जी हां... साल 2014 में रिलीज हुई रकुल प्रीत सिंह और हिमांश कोहली स्टारर यारियां को फैंस ने बहुत पसंद किया था। दिव्या खोसला कुमार के निर्देशन में बनी इस म्यूजिकल फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार कमाई की थी। वहीं अब यारियां 2 का पहला पोस्टर रिलीज डेट के साथ सोशल मीडिया पर रिलीज कर दिया गया है। दिलचस्प है फिल्म का पोस्टर यारियां 2 में बिल्कुल फ्रेश पेयर दर्शकों को देखने को मिलेगा। हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर टी-सीरीज ने इस फिल्म का पहला पोस्टर आउट किया। जिसमें दिव्या खोसला कुमार दुल्हन के गेटअप में नजर आ रही हैं। उनका एक हाथ मीजान जाफरी के कंधे पर हैं और दूसरा पर्ल वी पुरी के कंधे पर। मीजान के चेहरे पर पोस्टर में जहां शरारत भरी हंसी है, तो वहीं पर्ल वी पुरी काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, कजिन बाय ब्लड, फ्रेंड बाय च्वाइस।

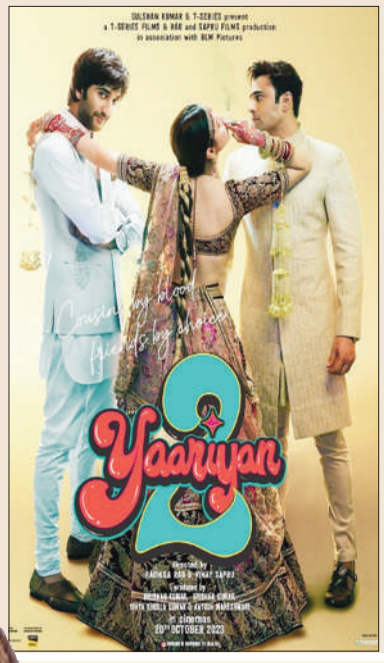

चमक उठी मनीषा रानी की किस्मत अब बॉलीवुड में मचाएंगी धमाल!

बॉलीवुड | मसाला

सलमान खान के शो बिग बॉस ओटीटी 2 में कदम रखने वाली मनीषा रानी देशभर के लोगों के दिलों में राज करने लगी हैं. मनीषा के स्टाइलिश लुक्स, बोलने का तरीका और कॉमिक अंदाज हर किसी का मन मोह लेता है। उन्होंने शो के अंदर रहते हुए काफी कम वक्त में एक बड़ा नाम हासिल कर लिया है।

मनीषा को पसंद करने वालों में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि कई हस्तियों के नाम भी शुमार हो चुके हैं। कभी टिक-टॉक वीडियोज बनाने वाली मनीषा रानी ने खुद भी नहीं सोचा होगा कि उन्हें कभी इतनी सफलता मिल पाएगी। खबरों की माने तो मनीषा को आज कई फिल्मों के लिए भी ऑफर्स दिए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि मनीषा को हाल ही में 5 फिल्मों के ऑफर्स मिल हैं।

हालांकि, फिलहाल इन फिल्मों को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन इतना जरूर कह सकते हैं कि शो से बाहर आते ही मनीषा की झोली में कई प्रोजेक्ट्स होंगे। खबरों की माने तो मनीषा एक एनजीओ के लिए भी योगदान करती हैं। मनीषा रानी अक्सर कहती हैं कि उन्हें बचपन से ही डांस और एक्टिंग करने का बहुत शौक है। इसी क्षेत्र में वह अपना करियर भी बनाना चाहती थीं। कहते हैं कि जब टिक-टॉक बंद हो गया तो मनीषा बिल्कुल टूट गई थीं। उन्हें ऐसा लगा कि उनके हाथ से एक प्लेटफॉर्म छिन गया और वह 5 दिनों तक बिना कुछ खाए-पिएं रोती रहीं। अब मनीषा के चाहने वाले उन्हें पर्दे पर एक नए अंदाज में देखने के लिए उत्साहित हो गए हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे तेलुगू पढ़नी लिखनी नहीं आती रटकर याद करता हूं : महेश बाबू

साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू दुनियाभर में मशहूर हैं। उन्होंने दमदार अभिनय के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है। महेश बाबू साउथ फिल्मों के सक्सेसफुल एक्टर में से एक हैं। एक्टर को प्रिंस ऑफ टॉलीवुड भी कहा जाता है। उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। महेश ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपना फिल्मी करियर शुरू कर दिया था। महेश बाबू ने चार साल की उम्र में फिल्म नीडा में काम किया था। वहीं अभिनेता के तौर पर राजकुमारुडू से करियर की शुरुआत हुई थी। इस फिल्म के जरिए इन्होंने टॉलीवुड में कदम रखा। पहली फिल्म से एक्टर ने सबका दिल जीत लिया था। महेश बाबू बचपन से ही मद्रास में अपनी नानी के यहां रहे। उन्होंने चेन्नई के लोयोला कॉलेज से कॉमर्स से ग्रेजुएशन पूरा किया था। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग का प्रशिक्षण लेने के लिए निर्देशक एल सत्यानंद से मुलाकात की और तीन-चार महीने तक ट्रेनिंग करी। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उन्हें तेलुगू पढ़नी और लिखनी नहीं आती। वह अपने डायलॉग को रटकर याद करते हैं और फिर बोलते हैं। महेश बाबू आठ नंदी अवॉर्ड, पांच फिल्मफेयर साउथ अवॉर्ड, चार साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड, तीन सिनेमा अवॉर्ड और एक आईफा उत्सव अवॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। महेश बाबू ने अब तक 27 फिल्मों में काम किया है। जिसमें से 11 फिल्मों ने अमेरिकी बाजार में 1 मिलियन डॉलर का कलेक्शन किया है। महेश बाबू ने अमेरिकी बाजार में सबसे ज्यादा 1 मिलियन डॉलर की कमाई करने वाली फिल्मों का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। अमेरिकी बॉक्स ऑफिस पर लगातार 9 फिल्मों में 1 मिलियन डॉलर का कलेक्शन करना कोई आम बात नहीं है।

वर्ड लायन डे: 20 घंटे की नींद और 4 घंटे काम ये है शेर की शाही दिनचर्या

वर्ड लायन डे पर हम आपको जंगल के राजा कहे जाने वाले शेर से जुड़ी कुछ ऐसी रोचक बातें बताएंगे। शेरों को ताकत, सत्ता और साहस का प्रतीक माना जाता है। इन्हें देखकर ही इनकी शक्ति का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। चूंकि इस खूंखार जानवर की संख्या धीरे-धीरे कम होती चली जा रही है, ऐसे में इनके संरक्षण को मार्क करने के लिए 10 अगस्त को शेरों के लिए खास दिन बनाया गया है। चलिए हम आपको इसी दिन बताते हैं बहादुरी के पर्याय माने जाने वाले शेरों के बारे में कुछ खास बातें। यूं तो एशिया में भी शेर मिलते हैं लेकिन अफ्रीका में पाए जाने वाले शेरों को सबसे ज्यादा सामाजिक माना जाता है। ये सिर्फ और सिर्फ समूह में रहना पसंद करते हैं। इनके झुंड में 15 शेर हो सकते हैं, जिनमें से एक उनका मुखिया होता है। शेरों की स्पीड के बारे में बात करें तो ये 50 मीटर/घंटा के हिसाब से दौड़ सकता है जबकि इसकी सबसे लंबी छलांग 36 फीट तक हो सकती है। इनका वजन आराम से 170 से 230 किलोग्राम तक होता है। शेरनियां इससे कम भारी होती हैं और उनका वज़न 120 से 180 किलोग्राम तक होता है। आमतौर पर शेर अफ्रीका, एशिया और यूरोप में पाए जाते थे लेकिन अब इनकी ज्यादा संख्या सिर्फ अफ्रीका में है। एशियन शेरों की बात करें तो गुजरात के सासन गिर नेशनल पार्क में करीब 350-400 तक शेर मिलते हैं। इस पार्क को इसी उद्देश्य से बनाया गया था। एक शेर की दहाड़ को 5 मील यानि 8 किलोमीटर दूर से ही सुना जा सकता है, जबकि टाइगर की दहाड़ इससे कम तेज़ होती है, जिसे 3 किलोमीटर दूर से सुना जा सकता है। शेरों को जंगल का राजा ज़रूर कहा जाता है लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि ये जंगल में नहीं बल्कि मैदानी एरिया में रहना पसंद करते हैं। अफ्रीका को चूंकि जंगल से जोड़कर देखा जाता रहा है, शायद इसलिए ये कहा गया लेकिन यहां जंगल का मतलब घने जंगल से नहीं है। शेरों का मुख्य काम होता है अपने झुंड की रक्षा करना, जबकि ज्यादातर शिकार का काम शेरनियां ही करती हैं। वे शिकार करती जरूर हैं लेकिन झुंड के नियम के मुताबिक खाता शेर पहले है। शेरों की उम्र का पता उनके चेहरे के आसपास के बड़े-बड़े बालों से चलता है। ये जितने गहरे रंग के होंगे, शेर की उम्र उतनी ज्यादा मानी जाती है। एक शेर जब चलता है, तो कभी भी उसकी एड़ी जमीन को नहीं छूती है, जकि वो दिन के 24 में से 20 घंटे सोकर अपनी नींद पूरी करता है।

अजब-गजब | मध्य प्रदेश के गौंडी धर्म में निभायी जाती है अजीब परंपरा

यहां दुल्हन को विदाई के समय विधवा की तरह पहनाई जाती है सफेद साड़ी

भारत समेत दुनिया में कई समुदाय और जाति के लोग रहते हैं। सभी समुदायों के अपने अलग-अलग रीति-रिवाज और परंपराएं होती हैं। हर धर्म में शादी का एक खास महत्व होता है, जिसके मुताबिक अलग-अलग परंपराओं का पालन किया जाता है। शादी के लिए लाल रंग को सबसे शुभ माना जाता है। हिंदू धर्म में शादी के बाद दुल्हन की विदाई लाल जोड़े में होती है। किसी शुभ काम में सफेद रंग के कपड़े का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। हालांकि भारत में एक ऐसा समुदाय है, जहां दुल्हन के शरीर पर से लाल जोड़ा निकलवा दिया जाता है और विधवा के लिबाज में विदाई की जाती है। हम आपको आज इस रीति-रिवाज और समुदाय के बारे में बताते हैं...

मध्य प्रदेश के भीमडोंगरी गांव में सफेद साड़ी में दुल्हन के विदा होने के रिवाज का पालन किया जाता है। इस गांव में आदिवासी लोग रहते हैं। हर समुदाया की तरह इनमें भी शादी का उल्लास दिखाई देता है, लेकिन हैरान करने वाली रस्म निभाई जाती है। भीमडोंगरी गांव में विदाई के दौरान दुल्हन को विदाई के समय विधवा की तरह सफेद साड़ी पहनाई जाती है। दुल्हन के साथ ही शादी में आए मेहमान भी सफेद कपड़े पहनते हैं। दुल्हन का लाल जोड़ा खुद माता पिता निकलवा देते हैं।

दुल्हन की सफेद साड़ी के पीछे की वजह बेहद खास मान्यता है। मध्य प्रदेश के इस गांव में गौंडी धर्म के लोग रहते हैं। इस धर्म के लोगों में सफेद रंग बेहद पवित्र माना जाता है। इसकी वजह से लोग शादी के मौके पर इस रंग के लिबाज को बेहद शुभ मानते हैं। गौंडी धर्म के लोग सफेद रंग को शांति का प्रतीक मानते हैं। इसके अलावा इस रंग को पवित्र मानते हैं जिसमें कुछ मिलावट नहीं होता है। इसलिए शादी में सफेद कपड़ा पहनना शुभ माना जाता है। यहां के लोग आदिवासी रिवाजों से अलग नियम का पालन करते हैं। इस गांव में शराब पर बैन है।

गुजरात से अहिंसा छूटी, सिर्फ गांधी का नाम रह गया : गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान सीएम ने इशारे-इशारे में भाजपा व पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि अहिंसा में गुजरात तो पीछे चला गया है। खाली वहां पर गांधी का नाम रह गया है, जहां के गांधीजी रहने वाले थे। हिंसा वहां होती है, 2002 में वहां पर क्या हुआ देख लिया, वहां पर शराबबंदी नाम मात्र की है। सबसे ज्यादा शराब पी जाती है तो गुजरात में पी जाती है। ये मुल्क के अंदर समाज की स्थिति बनती जा रही है।

प्रदेश की गहलोत सरकार आगामी 2 अक्टूबर को अहिंसा क्रांति रैली निकालेगी। सीएम अशोक गहलोत ने जयपुर में बिड़ला ऑडिटोरियम में महिलाओं के बीच यह जानकारी दी। उन्होंने कहा- हमने अहिंसा की बात कही, तो राजस्थान एक मात्र प्रदेश है, जिसने शांति और अहिंसा का विभाग खोल दिया, जो गांधीजी की सोच थी। गांधी का म्युजियम प्रदेश में बन रहा है वो देश का नंबर वन बनेगा, अगले महीने उसका उदघाटन होगा। 2 अक्टूबर को हम चाहेंगे कि हम बड़ी रैली अहिंसा क्रांति की करें। संकल्प लें कि हम गांधीजी की अहिंसा में विश्वास करते हैं। अशोक गहलोत ने कहा- मणिपुर जल रहा है, भारत सरकार को परवाह ही नहीं है। देश के अंदर क्या हो रहा है, एक राज्य का जलना, 3 महीने से ज्यादा समय हो गया है। पार्लियामेंट चल नहीं पा रही है, उस माहौल को ठीक करने की जिम्मेदारी हर भारतवासी की है। साल 2030 विजन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की तरह देखो, जिन्होंने कहा था कि हर बच्चे को भी सपना देखना चाहिए, जिससे सपने को पूरा करने के लिए वो आगे बढ़ सके वही बात मैं आपको कहना चाहूंगा सपना देखो 2023 का, अनुभव बताओ, सोच बताओ तो मैं समझता हूं कि हम सब मिलकर ये कर सकेंगे। कोई मेरे अकेले के कहने से 2030 में नंबर वन राजस्थान नहीं बनने वाला, तमाम वर्गों के लोग सब की सोच एक सी होगी, सब अपने कर्तव्य का निर्वहन भी साथ में करेंगे। प्रियंबल में लिखा हुआ है कि अधिकार हर नागरिक को मिला है तो उसका कर्तव्य भी देश के प्रति है, वो हम पूरा करेंगे तब जाकर राजस्थान में ये होगा।

मुझे पूरा विश्वास है। आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईआईटी, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, आयुर्वेद यूनिवर्सिटी, निफ्ट, जमाम कृषि यूनिवर्सिटी भी दो-तीन आ गईं। स्वास्थ्य में हम देश में नंबर वन हैं।

सीएम बोले- सबसे ज्यादा शराब वहीं पी जाती है

नई पीढ़ी को मालूम ही नहीं इंदिरा गांधी की जान कैसे चली गई?

सीएम ने कहा- नई पीढ़ी को मालूम ही नहीं है कि इंदिरा गांधी की जान कैसे चली गई, सीना छलनी हो गया उनका खालिस्तान नहीं बनने दिया। राजीव गांधी शहीद हो गए। ये देश 70 साल में यहां तक ऐसे ही नहीं पहुंचा है। कई त्याग, बलिदान आजादी की जंग में भी और आजादी की जंग के बाद में भी हुए हैं। इस बात का अहसास हमारी वर्तमान पीढ़ी को नहीं होगा तो आने वाली पीढ़ियां हमारे बारे में क्या सोचेंगी? जो नेता लोग देश की आजादी करवाने वाले पुराने नेताओं को भूल रहे हैं, ऐसे लोग कभी अपना इतिहास देश में आने वाली पीढ़ियों के लिए बना ही नहीं पाएंगे।

बिहार में सरकार ने एक साल में शानदार काम किया : महागठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» भाजपा का पलटवार, कहा- जंगलराज चरम पर

पटना। महागठबंधन सरकार के एक साल पूरे होने पर सियासत गरमा गई है। एक ओर राजद और जदयू के नेता सरकार की तारीफ करते नहीं थक रहे वहीं दूसरी ओर भाजपा इसे जंगलराज 2 कह रही है। राजद कोटे से विधान पार्षद रामबली सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि बिहार में नई-नई नौकरी का सृजन हो रहा है। फिलहाल बिहार में शिक्षा विभाग की बहाली हो रही है। आगामी लोकसभा चुनाव में महागठबंधन की जीत होगी।

वहीं जदयू विधायक ललित नारायण मंडल ने कहा कि भाजपा के साथ काम करने में बहुत परेशानी थी। इसलिए हमलोगों ने राजद के साथ सरकार बनाई। इतना ही नहीं केंद्र सरकार पैसे देने से इनकार करती है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में शानदार काम हुआ है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौर ने कहा कि महागठबंधन सरकार ने उम्मीद से बेहतर काम किया है। बिहार में 1.75 लाख टीचर की बहाली हो रही है। हमने 20 लाख लोगों को रोजगार की बात कही है, जिसे पूरा करेंगे। हम विभाजित एजेंडों में विश्वास नहीं करते हैं।

सियासत से संन्यास ले लें नीतीश : भाजपा

भाजपा ने कहा कि महागठबंधन सरकार में अपहरण बढ़ा गया है। बिहार में जंगल राज की बात हो रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को समझ में आ गया होगा कि उन्होंने क्या किया है। नीतीश कुमार को सियासत से संन्यास लेना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि महागठबंधन सरकार के एक साल पूरे होने पर कहा की आज से ठीक एक साल पहले नीतीश कुमार बिहार वासियों के जनादेश का अपमान करते हुए सत्ता की लालच में राजद और कांग्रेस की बैसाखी के सहारे सूबे की सत्ता पर काबिज हुए थे। उन्होंने कहा की जिस कांग्रेस के खिलाफ जेपी जी के साथ आंदोलन किया, जिस आंदोलन से नीतीश जी ने राजनीति का ककहरा सीखा, आज उसी कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं।

फोटो :4 पीएम

धरना मुख्यमंत्री आवास के बाहर 69000 शिक्षक भर्ती आरक्षण अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में मौके पर पुलिस मौजूद रही। पुलिस बल के सरकारी वाहनों द्वारा शिक्षकों को इको गार्डन भेजा गया।

नितिन देसाई आत्महत्या

18 को सुनवाई करेगी अदालत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने प्रसिद्ध फिल्म कला निर्देशक नितिन देसाई को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में आरोपी एडलवाइस कंपनी के अधिकारियों को तत्काल अंतरिम राहत देने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि वह 18 अगस्त को उनकी याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

न्यायमूर्ति एन. डब्ल्यू साम्ब्रे और न्यायमूर्ति आर. एन. लड्ढा की खंडपीठ ने देसाई की पत्नी को भी नोटिस जारी किया। मामला उनकी पत्नी ने ही दर्ज कराया है। एडलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन राशेश शाह, एडलवाइस एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी राज कुमार बंसल और कंपनी के दो अन्य अधिकारियों का नाम प्राथमिकी में बतौर आरोपी दर्ज किया गया है।

गंडक नहर में जा गिरी तेज रफ्तार कार, दो की मौत

» रात भर पानी में पड़े रहे शव तीसरा घायल तो चौथा लापता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। कार में सवार 4 लोगो में से 2 की मौके पर ही मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक लापता व्यक्ति की तलाश जारी है। इस भयावह मंजर को देख लोग बचाव कार्य में जुट गए। ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज अपने कार्रवाई में जुट गई है।

घटना गुरुवार देर रात की है। कार सवार लोग हादसे के बाद रात भर नहर के पानी में पड़े रहे। मामला रामकोला थाना क्षेत्र का है। यहां मूसलाधार बारिश के बीच गुरुवार रात को रामकोला से सिंगार तरफ जा रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर दमोदरी के पास बह रही बड़ी गंडक नहर में गिर गई। इसमें 4 लोग सवार थे। ये लोग रात भर नहर के पानी में पड़े रहे। इनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई है और तीसरे व्यक्ति की हालत गंभीर है। चौथे व्यक्ति की तलाश अभी भी गांव वाले कर रहे हैं। शुक्रवार की सुबह जब लोग टहलने निकले तो इस घटना को देख लोगों शोर मचाया। मौके पर लोग इकट्ठा हुए जिसके बाद बचाव कार्य शुरू कर दिया गया।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इनमें दो की मौत हो चुकी थी। एक की हालत गंभीर होने की वजह से उसे नजदीकी सीएससी रामकोला में भर्ती कराया गया। चौथा व्यक्ति अभी भी लापता है। पुलिस मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई में जुटी हुई हैं ।

लापता सवारी की चल रही तलाश

पाकिस्तान को रौंदकर भारत सेमीफाइनल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने अपने आखिरी लीग मुकाबले में पाकिस्तान को 4-0 से मात देकर सेमीफाइनल में एंट्री कर ली है। अब जापान के साथ भारत 11 अगस्त को फाइनल के लिए भिड़ेगा। भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के आखिरी लीग मुकाबले में पाकिस्तान को 4-0 से मात देकर सेमीफाइनल में एंट्री कर ली है। इस राउंड में भारत ने चीन के अलावा मजूबत मलेशिया, साउथ कोरिया और पाकिस्तान को माद दी है।

वहीं जापान के साथ टीम ने ड्रॉ खेला था। अब उसी जापान के साथ भारत 11 अगस्त को फाइनल के लिए भिड़ेगा। वहीं भारत ने इस मुकाबले में पाकिस्तान को हराकर अपने पिछले 15 मुकाबलों में विजयरथ को जारी रखा है। बता दें कि, लीग राउंड के बाद भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल में 13 अंक के साथ टॉप पर रही। वहीं मलेशिया के 12 अंक रहे। इसके अलावा 5 मैचों में एक जीत, दो ड्रॉ और दो हार के बाद 5 अंक लेकर साउथ कोरिया की टीम तीसरे नंबर पर है। हालांकि, जापान ने अपने आखिरी लीग मैच में चीन को हराकर पॉइट्स टेबल में चौथे स्थान पर अपनी जगह बनाई और सेमीफाइनल में पहुंच गई। इसी के साथ पाकिस्तान का अंतिम 4 से पत्ता कट गया। अब सेमीफाइनल में भारत का सामना जापान से और मलेशिया का सामना साउथ कोरिया से होगा।

फिलहाल, एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन चेन्नई में किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट के सभी मुकाबले चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में खेले जा रहे हैं। 11 अगस्त को सेमीफाइनल मुकाबले भी यहीं खेले जाएंगे। मलेशिया और साउथ कोरिया वाले सेमीफाइनल 1 की शुरुआत भारतीय समयानुसार शाम 6 बजे से होगी। जबकि रात 8.30 बजे जापान के खिलाफ भारतीय टीम मैदान में उतरेगी। एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के ब्रॉडकास्ट राइट्स स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के पास हैं। आप स्टार स्पोर्ट्स पर कई भाषाओं में इसका लुत्फ उठा सकते हैं।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में मुकाबला 4-0 से जीता

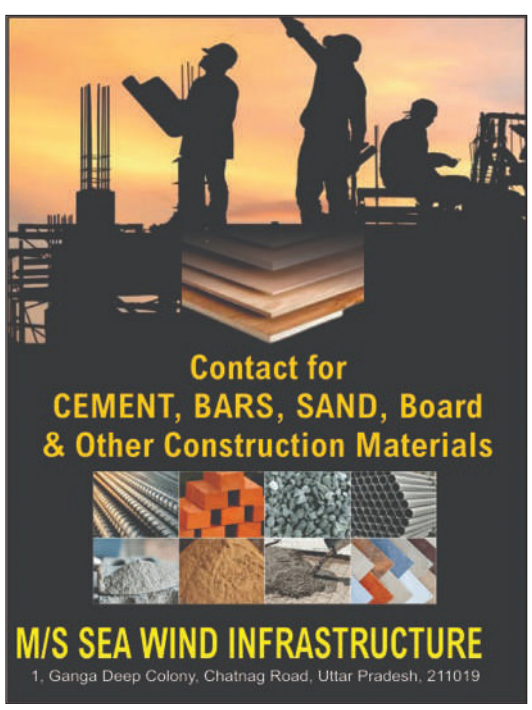

फोटो: सुमित कुमार

सदन की झलकियां मानसून सत्र के पांचवे सदन की कार्यवाही में सत्ता पक्ष व विपक्ष के माननीयों ने हिस्सा लिया। आज मानसून सत्र का आखिरी दिन है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने हाई कोर्ट के 16 जजों के तबादले की सिफारिश की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने बड़े पैमाने पर हाई कोर्ट के जजों के तबादले किए हैं। इसके तहत छह हाईकोर्ट के 16 जजों के तबादले की सिफारिश में 15 की सिफारिश दोबारा की गई है। तीन हाईकोर्ट द्वारा जजों के तबादले की सिफारिश लिस्ट में में गुजरात और पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चार-चार जज हैं।

कॉलेजियम ने गुजरात हाईकोर्ट में जिन चार जजों का तबादला करने की सिफारिश केंद्र सरकार से की है, उनमें जस्टिस हेमंत एम प्रचछक भी शामिल हैं। उन्होंने राहुल गांधी की दोष सिद्धि पर रोक लगाने से इंकार कर दिया था। उनके अलावा जस्टिस गीता गोपी ने भी राहुल गांधी के मोदी मानहानि मामले की सुनवाई से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि मेरे सामने मत सूचीबद्ध करें, इस तरह देखा जाए तो राहुल गांधी के मुकदमे से जुड़े दो जज तबादला सूची में हैं, जस्टिस गोपी को गुजरात से मद्रास और जस्टिस प्रच्छक को पटना हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश है, वहीं, जस्टिस समीर जे दवे का तबादला राजस्थान हाईकोर्ट में करने को सिफारिश की गई है, जस्टिस दवे ने तीस्ता सीतलवाड़ की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था. इनके अलावा चौथे जज अल्पेश वाई कोगजे को इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने की सिफारिश है। इन जजों ने अपना तबादला रोकने या फिर अड़ोस-पड़ोस के राज्यों में करने पर विचार करने की गुजारिश सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम से की थी। लेकिन कॉलेजियम ने उनकी अपील डिसमिस करते हुए कोई राहत नहीं दी।

यूपी विधानसभा में अखिलेश यादव ने योगी सरकार को घेरा

मानसून सत्र का अंतिम दिन, सदन में विपक्ष व भाजपा में तीखी बहस

नेता प्रतिपक्ष ने आलू मंडी से लेकर किसान तक का मुद्दा उठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा में आज मानसून सत्र का आखिरी दिन है सत्ता पक्ष व विपक्ष में जमकर तीखी बहस जारी है। विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महंगाई को लेकर सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने आलू और मंडी का मुद्दा उठाया। साथ ही अंडे की मार्केट को लेकर भी सरकार को घेरा।

अखिलेश ने दूध के बंद प्लांटों को लेकर भी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने ने आवारा पशुओं के मुद्दे को जोर से उठाया। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि आप इस पर काम क्यों नहीं कर रहे हैं। क्या आपके पास बजट की कमी है। अगर कुछ नहीं हो सकता है तो कम से कम सांड सफारी ही बना लें। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में कई लोगों की जान चली गई। आखिर सरकार कर क्या रही है। समाजवादी सरकार में उन्हें सरकार की ओर से मुआवजा देती थी वो भी 10 से 15 लाख रुपये। इसके साथ ही अखिलेश ने गुलदार और टाइगर का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि किसान इस कारण से खेतों में काम नहीं कर पा रहा है। इन्होंने कम से कम 40 लोगों की जान ली और अभी तो मैं साड़ की बात नहीं कर रहा। अगर किसान डर के कारण छह सात महिने से किसान खेत में नहीं जा पा रहे हैं तो ये सरकार कर क्या रही है? इससे संबंधित विभाग कर क्या रहा है?

अगर कुछ न हो सकता है तो कम से कम सांड सफारी ही बना लें : अखिलेश

विधानसभा में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महंगाई पर निशाना साधा। उन्होंने कहा साढ़े छह साल में एक भी नई मंडी नहीं बनी। आज किसानों को सही दाम नहीं मिल रहा है। किसानों की आय दोगुनी करने की बात कही गई थी। लेकिन कुछ नहीं हुआ। सरकार ने मक्का नहीं खरीदी। अखिलेश यादव ने कहा कि आलू का भाव नहीं मिल रहा है, अगर अभी कोल्ड स्टोरेज से आलू नहीं निकला तो आलू के भाव कहां जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि डेरी सेक्टर मदद कर सकता है किसानों की आए बढ़ाने के लिए। इस सेक्टर को बजट देकर इसे बेहतर बनाया गया। इस सरकार ने कहा कि गाय का दूध का क्या करना है, हम भैंस का दूध लेंगे। आज स्थिति ऐसी है कि वो डेरी प्लांट बंद है।

जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं सभी लोगों का हृदय से धन्यवाद देता हूं। जिन्होंने किसानों, बाढ़ और अन्य मुद्दों पर अपने विचार रखे और सलाह ही दी। पिछले एक घंटे से विरोधी दल के नेता को केवल गोरखपुर की बाढ़ ही दिखी और कुछ नहीं दिखी। उन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं। क्योंकि जो लोग जन्म से चांदी की चम्मच में खाने के आदी हैं वो एक गरीब की पीड़ा को क्या समझेंगे। पिछड़ों की पीड़ा को क्या समझेंगे। महोदय, महान नेता चौधरी चरण सिंह ने कहा था कि देश की प्रगति का मार्ग खेत, खलियानों और गलियों से होकर जाता है। इस बात को अगर समाजवादी पार्टी ने इस को ध्यान में रखा होता है तो इनके कार्यकाल में सबसे ज्यादा आत्महत्या किसानों ने नहीं की होती।

प्रदेश में नहीं होगी जातीय जनगणना

विधानसभा में सरकार ने साफ किया है कि प्रदेश में जातीय जनगणना कराने की कोई योजना नहीं है। विधानसभा में सपा विधायक संग्राम सिंह यादव ने तारांकित प्रश्न के जरिये जातीय जनगणना का मुद्दा उठाया। हालांकि प्रश्नकाल स्थगित होने के कारण इस मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं हो सकी। लेकिन प्रश्न के लिखित जबाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जातीय जनगणना कराने की योजना नहीं है। जनगणना कराना भारत सरकार की ओर से किया जाता है। जातीय जनगणना पर चर्चा कराने मांग को लेकर सपाइयों ने विधान परिषद में जमकर हंगामा किया। नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने साफ कह दिया कि जातीय जनगणना कराना राज्य का नहीं, बल्कि केंद्र का विषय है।

कटघरे में फिर योगी सरकार की कानून व्यवस्था

मुरादाबाद में घर से बाहर टहलते भाजपा नेता की दिनदहाड़े हत्या

गनर से घिरे रहते थे अनुज चौधरी, फिर भी नहीं बच सकी जिंदगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। यूपी की योगी सरकार कानून का राज का दम भरती है। पर हकीकत को आइना भाजपा के नेता की हत्या ने दिखा दिया कि युपी पुलिस का खौफ अब बदमाशों में कम हो रहा है। घटना मुरादाबाद की है जहां भाजपा से जुड़े नेता व प्रापर्टी डीलर अनुज चौधरी को उन्हीं की सोसायटी के करीब बदमाशों ने गोली मार दी। दोस्तों और गनर से हमेशा घिरे रहने वाले अनुज चौधरी को बेखौफ बदमाशों ने सोसायटी में उन्हें मौत के घाट उतार दिया।

अनुज चौधरी

संभल केअलिया नेकपुर निवासी अनुज चौधरी प्रॉपर्टी डीलिंग का कारोबार करते थे। प्रॉपर्टी को लेकर कई लोगों से उनका विवाद चल रहा था। इसके अलावा उन्होंने असमोली ब्लॉक पर प्रमुख पद का चुनाव लड़ा था। इसके बाद वह अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे थे। वर्तमान ब्लॉक प्रमुख के पति प्रभाकर चौधरी उसके बेटे अनिकेत चौधरी से सीधे तौर पर दुश्मनी चल रही थी। चुनाव के वक्त दोनों प्रत्याशी के समर्थकों में कई बार टकराव हुआ था। मुरादाबाद की पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसाइटी में बृहस्पतिवार शाम छह बजे भाजपा नेता एवं असमोली ब्लॉक प्रमुख पद के प्रत्याशी रहे अनुज चौधरी (35) गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन्हें सिर, कंधे और पीठ में चार गोलियां मारी गई। घटना के समय अनुज अपने दोस्त पुनीत चौधरी के साथ सोसाइटी में ही सड़क पर टहल रहे थे, जबकि उनका गनर और स्टाफ फ्लैट में मौजूद था। वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारोपी गेट नंबर एक से भाग निकले। पुलिस राजनीतिक, प्रॉपर्टी और अन्य विवादों के एंगल पर जांच कर रही है। संभल जिले के एचौड़ा कम्बोह थाना क्षेत्र के अलिया नेकपुर निवासी अनुज चौधरी मझोला क्षेत्र में पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसाइटी में टावर टी-7 के फ्लैट नंबर 401 और 402 में रहते थे। उन्होंने असमोली ब्लॉक के प्रमुखी का चुनाव लड़ा था। संभल पुलिस से उन्हें एक सरकारी गनर मिला था। इसके अलावा अनुज ने अपनी सुरक्षा में दो निजी गनर भी रखे थे। रोज की तरह अनुज बृहस्पतिवार शाम छह बजे सोसाइटी में ही अपने दोस्त पुनीत निवासी संभल के साथ घूम रहे थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।